Seventeenth Loksabha

p>

Title: Need to construct an expressway to connect the Chitrakoot, Khajuraho, Orchha to Jhansi-Bundelkhand Expressway in Bundelkhand region, Uttar Pradesh.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): सभापति महोदय, मैं आज ऐसे क्षेत्र की बात करने के लिए खड़ा हूं, जहां भगवान राम और माता सीता ने अपने वनवास के 12 वर्ष बुंदेलखंड क्षेत्र के चित्रकूट में काटे । चित्रकूट प्रकृति की गोद में है । वहां पर जंगल हैं । बुंदेलखंड की जो प्राकृतिक छटा है, उसको देखने के लिए पूरी दुनिया के लोग यहां आना चाहते हैं । चित्रकूट को स्प्रिचुअल सर्किट के तौर पर डेवलप किया जा रहा है, योगी आदित्यनाथ जी उसे डेवलप करा रहे हैं । दिल्ली और लखनऊ, देश और प्रदेश दोनों की राजधानी से उसको एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया है ।

महोदय, हमारे यहां नदी, झरने, पहाड़, जंगल, झील और तालाब की बहुतायत है । उस बुंदेलखंड क्षेत्र में, जहां भगवान राम 12 वर्ष रहे, वहां से गरीबी और बेरोजगारी के कारण लोगों को पलायन करना पड़ रहा है । मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना चाहता हूं कि बुंदेलखंड से लोग पलायन कर रहे हैं । कोरोना काल में पूरे देश के लोग प्रकृति की गोद में वहां जाना चाहते थे । वहां पर जंगल हैं । वहां पर औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिले । मेरा मानना है कि पर्यटन की दृष्टि से अगर उसको बढ़ावा मिले, तो वहां के नौजवानों को टूरिस्ट गाइड, टैक्सी और होटल्स के क्षेत्र में अनेकों प्रकार के रोजगार उपलब्ध होंगे और उनका पलायन रुकेगा ।

मेरी आपसे मांग है कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से 250 किलोमीटर का एक एक्सप्रेस-वे, जिसके द्वारा चित्रकूट, खजुराहो, ओरछा से झांसी को जोड़ा जाए । जब यह पूरा सर्किट तैयार होगा, तो पूरे देश और दुनिया के लोग प्रकृति की गोद में आसानी से जा सकेंगे और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त खजुराहो में पहुंच सकेंगे ।

जो राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम होते हैं, उनमें अनेकों राष्ट्राध्यक्ष आते हैं । इस प्रकृति की गोद में ऑक्सीजन बैंक के बीच में जब कार्यक्रम होंगे, तो निश्चित रूप से उस क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा ।